>

Title: Issue regarding black money and Question of Privilege for forcibly detaining shri Mulayam Singh Yadav and Shri Akhilesh Yadav.

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं आपसे सिर्फ दो मिनट चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदया, मैं सिर्फ दो बातें आपके सामने रखना चाहता हूं। पहली, गुरूदास दासगुप्ता जी ने जो 50 करोड़ रुपये की बात कही है...(व्यवधान) वह 50 करोड़ तो सिर्फ जुर्माना है, ...(व्यवधान) लेकिन पता नहीं यह 50,000 करोड़ रुपये है या 10,000 करोड़ रुपये है।

इसे सरकार को स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि जब सरकार की जानकारी में काला धन आ गया है, तो सरकार को इस पर वक्तव्य देना चाहिए, जो गुरुदास दासगुप्त जी ने मामला उठाया है। दूसरी बात यह है कि हमने जो सात मार्च की घटना का उल्लेख किया था और आपने हस्तक्षेप करते हुए होम मिनिस्टर साहब से कहकर मुझे और अखिलेश को घर से बाहर निकलवाया था। नौ तारीख को पूरा देश देख रहा था, अगर आप हाउस में अनाउंस कर देतीं, तो उत्तर प्रदेश में गांव-गांव में जो पुलिस घूम रही है, हमारे कार्यकर्ताओं को पकड़ा जा रहा है, पीटा जा रहा है, लोगों के साथ अत्याचार हो रहा है, वह कम हो जाता। सदन में परम्परा भी रही है, हमने अवमानना का नोटिस, विशेषाधिकार हनन का नोटिस आपको दिया है, उस पर इतनी ही बात कह देने से वह अत्याचार रुक जाता। हमारी इतनी ही मांग है। जो मामला गुरुदास दासगुप्त जी ने उठाया है, उसके पीछे 50 करोड़ रुपए हैं या 50,000 करोड़ रुपए हैं, कितने हैं, देश की जनता के सामने यह स्पष्ट होना चाहिए । जब काले धन की जानकारी हो गई है, तब भी सरकार की तरफ से कुछ नहीं हो रहा है, जबकि हम लोगों के पीछे, किसानों के पीछे सीबीआई लगी हुई है, हमारा कोई नेता नहीं बचा, किसी पार्टी का कोई नेता नहीं बचा है जिस पर सीबीआई न लगी हो । यह कोई मामूली बात नहीं है, बहुत गम्भीर मामला है जो गुरुदास दासगुप्त जी ने उठाया है। इसके साथ हमारा मामला भी गम्भीर है। आपने और होम मिनिस्टर जी ने चीफ सेक्रेटरी से कहकर हमें घर से बाहर निकलवाया। आपने मेरी मदद की है। अगर आप सदन में यह कह देतीं कि हमने दोनों विशेषाधिकार हनन के मामले विशेषाधिकार समिति को भेज दिए हैं, तो हो सकता है, जो उत्तर प्रदेश में गांव-गांव पुलिस घूम रही है, निर्दोष लोगों को मारपीट कर रही है, गाली-गलौच हो रहा है, अत्याचार हो रहा है, उसमें कमी आ जाती।

सदन में हमेशा विशेषाधिकार हनन के मामले की बात जब आती है तो उसे विशेषाधिकार समिति को सौंपने की बात होती है। मैं कोई एक साल से सदन का सदस्य नहीं हूं, काफी अर्से से यहां का सदस्य हूं और यूपी विधान सभा में भी मैं 15 साल तक विपक्ष का नेता रहा हूं। हमने यही देखा है कि सदन में ही उसकी घोषणा होती रही है। यूपी विधान सभा कोई मामूली सदन नहीं है। कमलापति त्रिपाठी जी से लेकर, हेमवती नंदन बहुगुणा, नारायण दत्त तिवारी जी, चौधरी चरण सिंह जी, सबके साथ मैंने काम किया है। लेकिन मेरी समझ में नहीं आता है कि मेरे और अखिलेश के मामले में ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। आपने जो निर्णय लिया है इस दोनों मामलों में, उसकी यहां सदन में घोषणा करनी चाहिए। इसके अलावा गुरुदास दासगुप्ता जी का जो मामला है, सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि जो कालाधन सामने आया है, वह 50 करोड़ रुपया है या 50,000 करोड़ रुपया है। हमारे ऊपर जो जुल्म हो रहा है, वह शायद कम हो जाएगा इसलिए आप इसकी सदन में घोषणा कर दें कि क्या निर्णय हुआ है।

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाएं, मैंने सुन लिया है।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मेरा अति महत्वपूर्ण मामला है।

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाएं। श्री सज्जन वर्मा।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाएं, अभी आपके नेता बोले हैं। थोड़ा धैर्य रखें।